

संख्या-1084/XVIII(II)/2015-03(18)/2015

प्रेषक,

जे०पी० जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पौड़ी गढ़वाल।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : ०७ अक्टूबर, 2015

विषय:- जनपद पौड़ी गढ़वाल की तहसील श्रीनगर, गढ़वाल में निजी गैस गोदाम हेतु कुल 0.080 है० भूमि प्रबन्धक, अलकनन्दा इण्डेन गैस सर्विस, अपर बाजार, श्रीनगर गढ़वाल, पौड़ी को सशुल्क पट्टे पर आवंटित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-1889/21-एल०बी०सी०/2014-15 दि०-25.02.2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल, तहसील श्रीनगर गढ़वाल, पट्टी चरणस्थू के ग्राम कोटेश्वर के खतौनी खाता सं०-6 के हॉल खसरा सं०-208 रकबा 0.291 है० मध्ये 0.080 है०, श्रेणी-9(3)ख(2) झाड़ी दर्ज भूमि को शासनादेश संख्या-258/16(1)/73-राजस्व-1 दिनांक-09.05.1984 एवं यथासंशोधित शासनादेश संख्या-1695/97-1-1(60)/93-280-रा०-1 दिनांक-12.09.1997 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत वर्तमान प्रचलित बाजार दर के दोगुने से निकाले गये नजराने तथा मालगुजारी के 20 गुने के बराबर वार्षिक किराया नियत कर प्रबन्धक, अलकनन्दा इण्डेन गैस सर्विस, अपर बाजार, श्रीनगर गढ़वाल, पौड़ी को निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन पट्टे पर सशुल्क आवंटित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- प्रश्नगत भूमि का उपयोग उसी कार्य विशेष के लिए किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत की गयी है।
- प्रश्नगत भूमि किसी व्यक्ति व संस्थान या संगठन को बेचने/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार से हस्तांतरित करने का अधिकार पट्टेदार को नहीं होगा। भूमि का उपयोग आवंटन के दिनांक से 03 वर्ष की अवधि में पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा अन्यथा आवंटन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
- प्रश्नगत भूमि पट्टेदार को राजस्व विभाग के नियंत्रणाधीन सरकारी सम्पत्ति के प्रबन्ध से सम्बन्धित शासनादेश संख्या-150/1/85(24)-रा-6 दिनांक-09 अक्टूबर, 1987 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गवर्नमेन्ट ग्रान्ट्स एक्ट 1895 के अधीन पट्टा प्रथमतः 30 वर्षों के लिए होगा और पट्टेदार के लिए दो बार 30-30 वर्ष के लिए इसे नवीनीकरण कराने का विकल्प उपलब्ध होगा। सरकार को नवीनीकरण के समय लगान बढ़ाने का अधिकार होगा, जो पूर्व लगान के 1-1/2 गुना से कम नहीं होगा।
- प्रश्नगत भूमि की आवश्यकता पट्टेदार को नहीं रह जायेगी तो भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग को वापस हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।
- यदि भूमि/भवन का परित्याग कर दिया गया हो अथवा संस्थां का विघटन हो जाता है तो भूमि/भवन सील सहित राज्य सरकार में सभी भारों से मुक्त निहित हो जायेगी।

6. प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम लागू होने की दशा में भूमि के उपयोग का परिवर्तन गैर वानिकी कार्य हेतु तभी अनुमन्य होगा जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी। जिलाधिकारी इसे सुनिश्चित करेंगे।

7. प्रश्नगत नॉन जेड०ए० भूमि आवंटन के पूर्व जमींदारी विनाश एवं भू-सुधार अधिनियम की धारा-132 के समकक्ष एवं अन्य सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

8. चूंकि जिलाधिकारी द्वारा संबंधित शासनादेश दि०-९.५.१९८४ के अधीन निर्धारित प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया है। अतः इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित प्राविधानों का अनुपालन अपने स्तर से सुनिश्चित किया जायेगा।

9. इस संबंध में सिविल अपील संख्या-११३२/२०११ (एस०एल०पी०)/(सी) संख्या-३१०९/२०११ श्री जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य में मा० सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य तथा सिविल अपील सं०-४३६/२०११/SLP(C) NO. २०२०३/२००७ झारखण्ड राज्य व अन्य बनाम पाकुर जागरण मंच व अन्य में मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये आदेश दि०-जनवरी, २०११ में मा० सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

10. आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या-०१ से ०९ में से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

कृपया इस संबंध में नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत किये जाने वाले आदेश एवं इस शासनादेश की शर्तों की अनुपालन स्थिति से भी अनिवार्य रूप से शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(जे०पी० जोशी)

अपर सचिव।

प०प०सं०-१०४४/संमिनांकित/२०१५

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1 आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2 आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3 प्रबन्धक, अलकनन्दा इण्डेन गैस सर्विस, अपर बाजार, श्रीनगर गढ़वाल, पौड़ी।
- 4 निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 5 प्रभारी मीडिया केन्द्र, सचिवालय।
- 6 गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

Alok
(आलोक कुमार सिंह)
अनुसचिव।